SOCIAL STUDIES

Class 10th

(GEOGRAPHY)

Chapter 2: वन एवं वन्य संसाधन

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न1. बहुवैकल्पिक प्रश्न
(i) इनमें से कौन-सी टिप्पणी प्राकृतिक वनस्पति जात और प्राणी जात के ह्रास का सही कारण नहीं है?
(क) कृषि प्रसार (ख) वृहत स्तरीय विकास परियोजनाएँ
(ग) पशु-चारण और ईंधन लकड़ी एकत्रित करना. (घ) तीव्र औद्योगीकरण और शहरीकरण
उत्तर (i) (ग) पशु-चारण और ईंधन लकड़ी एकत्रित करना.

(ii) इनमें से कौन-सा संरक्षण तरीका समुदायों की सीधी भागीदारी नहीं करता?
(क) संयुक्त वन प्रबंधन. (ख) चिपको आंदोलन
(ग) बीज बचाओ आंदोलन (घ) वन्य जीव पशु विहार का परिसीमन
उत्तर (ii) (घ) वन्य जीव पशु विहार का परिसीमन

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्राणियों और पौधों को उनके अस्तित्व के वर्ग से मेल करें

जानवर/पौधे	**अस्तित्व वर्ग**
काला हिरण **एशियाई हाथी** **अंडमान जंगली सुअर** **हिमालयन भूरा भालू** **गुलाबी सिर वाली बत्तख**	**लुप्त** **दुर्लभ** **संकटग्रस्त** **सुभेद्य** **स्थानिक**

उत्तर

जानवर/पौधे	**अस्तित्व वर्ग**
काला हिरण एशियाई हाथी अंडमान जंगली सुअर हिमालयन भूरा भालू गुलाबी सिर वाली बत्तख	संकटग्रस्त सुभेद्य स्थानिक दुर्लभ लुप्त

MUKUTclasses

प्रश्न 3. निम्नलिखित का मेल करें

आरक्षित वन रक्षित वन अवर्गीकृत वन	सरकार, व्यक्तियों के निजी और समुदायों के अधीन अन्य वन और बंजर भूमि। वन और वन्य जीव संसाधन संरक्षण की दृष्टि से सर्वाधिक मूल्यवान वन। वन भूमि जो और अधिक क्षरण से बचाई जाती है।

उत्तर:-

आरक्षित वन रक्षित वन अवर्गीकृत वन	वन और वन्य जीव संसाधन संरक्षण की दृष्टि से सर्वाधिक मूल्यवान वन। वन भूमि जो और अधिक क्षरण से बचाई जाती है। सरकार, व्यक्तियों के निजी और समुदायों के अधीन अन्य वन और बंजर भूमि।

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए

(i) जैव विविधता क्या है? यह मानव जीवन के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर:- पृथ्वी पर सुक्ष्म जीवाणुओं से लेकर वटवृक्ष, हाथी व्हेल मछली तक करोड़ों तरह के जीवधारी रहते हैं इसे जैव विविधता कहते है। जैव विविधता मानव जीवन के लिए निम्न प्रकार से महत्वपूर्ण है-

1. मानव अपने अस्तित्व बनाए रखने में दूसरे जीव जगत पर निर्भर है जैसे अनाज के पौधों पर।
2. पर्यावरण के संतुलन के लिए भी जैव विविधता आवश्यक है।
3. जैव विविधता मनुष्य के लिए औषधि, भोजन आदि उपलब्ध कराते हैं।

(II) विस्तारपूर्वक बताएँ कि मानव क्रियाएँ किस प्रकार प्राकृतिक वनस्पति जात और प्राणी जात के ह्रास के कारक हैं?

उत्तर:- प्राकृतिक वनस्पति जाति और प्राणी जाति के ह्रास का मुख्य कारण मानवीय क्रियाएँ ही हैं

1. कृषि का फैलाव वनों के सिकुड़ने का महत्वपूर्ण कारक रहा है।
2. भोजन, ईंधन, चारा, रबड़, दवाइयां आदि के लिए वन और वन्य जीवन को नुक़सान पहुंचाया गया।
3. वनों की बर्बादी के लिए खनन क्रियाओं का भी काफी योगदान रहा है।
4. बड़ी विकास परियोजनाओं के कारण भी वन क्षेत्रों को साफ़ करना पड़ता है।
5. वनों का सबसे ज्यादा नुक्सान औपनिवेशिक काल में रेलवे लाइनों के बिछाने से हुआ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए।

(1) भारत में विभिन्न समुदायों ने किस प्रकार वनों और वन्य जीव संरक्षण और रक्षण में योगदान किया है? विस्तारपूर्वक विवेचना करें।

उत्तर:- भारत में विभिन्न समुदायों ने वनों और वन्य जीव संरक्षण में निम्न प्रकार से योगदान दिया है-

1. कुछ स्थानीय समुदाय सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर वन्य प्रजातियों के संरक्षण में जुटे हुए हैं।
2. सरिस्का बाघ रिजर्व में राजस्थान के गांवो के लोग खनन कार्यों को बंद करवाने में लगे हुए हैं।
3. राजस्थान के अलवर जिले के पाँच गाँवों ने मिलकर 1200 हैक्टेयर भूमि 'भैरोंदेव डाकव सेंचुरी' घोषित कर दी, जहाँ पर कड़े कानून बनाकर शिकार वर्जित कर दिया गया है तथा बाहरी लोगों की घुसपैठ पर रोक लगाई गई है।
4. टिहरी के किसानों द्वारा लिए गए 'बीज बचाओं आन्दोलन' शुरू कर दिया।
5. हिमालय क्षेत्र में चिपको आंदोलन के द्वारा वृक्षों की अनियंत्रित कटाई को रोकने का प्रयास किया।
6. उड़ीसा में संयुक्त वन प्रबंधन के लिए गांव स्तर पर संस्थाएं बनाई गई।

(ii) वन और वन्य जीव संरक्षण में सहयोगी रीति-रिवाजों पर एक निबंध लिखिए।

उत्तर:- भारत में वन और वन्य जीव संरक्षण में सहयोगी रीति-रिवाज इस प्रकार हैं

1. प्रकृति की पूजा सदियों पुराना जनजातीय विश्वास है
2. वे पवित्र पेड़ों के झुरमुट की सदैव रक्षा करते हैं।
3. छोटानागपुर क्षेत्र में मुंडा और संथाल जनजातियाँ महुआ और कदंब के पेड़ों की पूजा करते हैं।
4. उड़ीसा और बिहार की जनजातियाँ शादी के समय इमली और आम के पेड़ों की पूजा करते हैं।
5. समाज में झरनों, पहाड़ी चोटियों, पेड़ों और पशुओं को पवित्र मानकर उनका संरक्षण करते हैं
6. राजस्थान के बिश्नोई गाँवों के आस-पास काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय और मोरों के झुंड देखे जाते हैं जोकि इनके समाज के अभिन्न अंग हैं।